

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3--- उपखण्ड ()

PART II—Section 3—Sub-section (1)

आधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

70 187]

नई विल्ली, बृहस्पतियार, जलाई 13, 1972/ब्रावाह 22, 1894

No. 187]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 13. 1972/ASADHA 22, 1894

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या दी जासी हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July 1972

G.S.R. 340(E).—The following draft of certain rules further to amend the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), is published, as required by sub-section (1) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft before the expiry of 30 days from the date of publication thereof in the Gazette of India, will be considered by the Central Government.

Draft Rules

- 1. These rules may be called the Industrial Disputes (Central) Second Amendment Rules, 1972.
 - 2. In the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957,
 - (i) for rule 76, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "76 Notice of retrenchment.—If any employer desires to retrench any workman employed in his industrial establishment who has been in continuous service for not less than one year under him (hereinafter referred to as 'workman' in this rule and in rules 77 and 78), he shall give notice of such retrenchment as in Form P to the Central Government/the Regional Labour

Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central) and the Employment Exchange concerned and such notice shall be served on that Government, the Regional Labour Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central), and the Employment Exchange concerned, by registered post in the following manner:—

- (a) where notice is given to the workman, notice of retrenchment shall be sent within three days from the date on which notice is given to the workman;
- (b) where no notice is given to the workman and he is paid one month's wages in lieu thereof, notice of retrenchment shall be sent within three days from the date on which such wages are paid; and
- (c) where retrenchment is carried out under an agreement which specifies a date for the termination of service, notice of retrenchment shall be sent so as to reach the Central Government, the Regional Labour Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central), and the Employment Exchange concerned, at least one month before such date:
- Provided that if the date of termination of service agreed upon is within 30 days of the agreement, the notice of retrenchment shall be sent to the Central Government, the Regional Labour Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central), and the Employment Exchange concerned, within 3 days of the agreement.
- 76A. Notice of closure.—If an employer intends to close down an undertaking, he shall give notice of such closure in Form Q to the Central Government, the Regional Labour Commissioner (Central), the Assistant Labour Commissioner (Central) and the Employment Exchange concerned, by registered post:"
- (ii) in the Schedule,-

 - "(3) Employment Officer, Employment Exchange,..... (enter the full address of the Employment Exchange concerned).";
 - (b) After Form P, the following Form shall be inserted, namely:-

"Form Q See Rule 76A

Form of notice of closure to be given by an employer under section 25FFA of the Industrial Disputes Act, 1947.

Name	of	employer	. Address	Dated	the

То

The Secretary to the Government of India, Department of Labour and Employment, New Delhi.

Sir,

Yours faithfully,

oja sija

^{**(}Here insert the position which the person who signs this letter holds with the employer Issuing this letter).

ANNEXURE

Statement of reasons

Copy to:--

- (1) The Regional Labour Commissioner (Central).....*
- (2) The Assistant Labour Commissioner (Central)....*
- (3) The Employment Exchange......

[No. F. S.65012/6/71-L.R.I.] S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

अम और प्नवीस मंत्रालय

(अम और रंजगर विभास)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1972

सा० का० नि० 340(अ).—श्रीद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 में श्रीर श्रागे संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्निलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33 हारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की उपधारा (1) हारा यथाश्रपेक्षित उनसे एतद्द्वारा संभाव्यतः प्रभावित होने वाले व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, श्रीर एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप के बारे में उनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की समाप्ति से पूर्व किसी भी व्यक्ति से जो कोई भी ग्राक्षेप या सुझाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार हारा विचार किया जाएगा।

प्रारुप सियम

- 1. यह नियम श्रीद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) द्वितीय संशोधन, 1972 कहे जा सकेंगे।
- 2. भ्रौद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 में,
- (।) नियम 76 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात् :---
 - "76. **छटनी की सूचना** :—यदि कोई नियोजक श्रपने श्रौद्योगिक संस्थापन में नियोजित किसी ऐसे कर्मकार की छंटनी करना चाहना है जो कि उसके श्रधीन एक वर्ष से श्रन्यून तक लगातार सेवा में रहा है (जिसे इस नियम में श्रीर नियम 77 श्रीर 78 में इं.के पश्चात् 'कर्मकार' कहा गया है), वह ऐसी छंटनी की सूचना प्ररूप में केन्द्रीय सरकार/प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा संबंधित रोजगार कार्यालय को देगा श्रीर ऐसी

^{*(}here enter the office address of the Regional Labour Commissioner (Central)/Assistant Labour Commissioner (Central) and the Employment Exchange in the local area concorned)".

सूचना उससरकार को, प्रादेशिक श्रम भ्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम भ्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा संबंधित रोजगार कार्यालय को रिजस्ट्रीकृत डाक द्वारा निम्नलिखित रीति से तामील की जाएगी :--

- (क) जहां कि कर्मकार को सूचना दी जाती है वहां छंटनी की सूचना उस तारीख से तीन दिन के भीतर भेजी जाएगी जिसको कि कर्मकार को सूचना दी गई हो ।
- (ख) जहां कि कर्मकार को कोई सूचना नहीं दी जाती है भीर उसके बदले में उने एक मास की मजदूरी दी जाती है वहां, छंटनी की सूचना उस तारीख से तीन दिन के भीतर दी जाएगी जिसको कि ऐसी मजदूरी दी गई है भौर
- (ग) जहां कि छंटनी किसी ऐसे करार के प्रधीन कार्यान्वित की जाती है जो कि सेवा के पर्यवसान के लिए कोई तारीख विनिधिष्ट करता है वहां छंटनी की सूचना इस प्रकार भेजी जाएगी कि वह केन्द्रीय सरकार, प्रावेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा संबंधित रोजगार कार्यालय उस तारीख से कम से कम एक मास पूर्व पहुंच जाए:

परन्तुय दि सेवा के पर्यवसान की वह तारीख जिस पर सहमित हुई है करार के तीस दिन के भीतर पड़ती है तो छंटनी की सूचना केन्द्रीय सरकार प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा संबंधित रोजगार कार्यालय को करार के तीन दिन के भीतर भेजी जाएगी।

7 6क. बन्द करने की सूचना: -यदि कोई नियोजक किसी उपक्रम को बन्द करना चाहता है तो वह ऐसे बंद करने की सूचना प्ररूप में केन्द्रीय सरकार, प्रादेशिक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय), सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा संबंधित रोजगार कार्यालय को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा देगा।"

(ii) अनुसूची मे

(क)	प्ररूप त	में,	उपायंध मे,
-----	----------	------	------------

- ''(2) प्रादेशिक श्रव आयुक्त (केन्द्रीय), —————परिक्षेत्र'' प्रविष्टि के पण्यात् निम्नलिखित प्रविष्टि ग्रतःस्थापित की आएगो, ग्रथीत् :——

(ख) प्ररूप त के पश्चात् निम्नलिखिलप्ररूपश्रंतःस्थापितकिया जाएगा, शर्थात् :---

'प्रहप प'

(नियम 76क देखिए)

श्राष्ट्रीगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 व	ी धारा 25 चचक के ग्रधीन नियोजक द्वारा बंध
किए जाने की नूचना का प्ररूप।	
नियोजक का नाम	
तारीख19	केवित

सेवा में,

सम्बव, भारत सरकार, श्रम भीर रोजगार विभाग नई दिल्ली।

महोदय,

भौद्योगिक विवाद मधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 25 चक्क के मधीन मैं /
हम एतद्द्वारा भापको सूचित करता हं / करते हैं कि मैं/हमने
(उपक्रम का नाम) कोकारीख से उपबन्ध में स्पष्ट किए गए कारणों
से बंद करने का निष्चय किया है। उपक्रम के बन्द किए जाने के कारण ऐसे कर्म कारों की, जिनकी
सेवाएं पर्यवसित हो जाएंगी, संख्या(कर्मकारों की संख्या) है।

भवदीय

(यहां उस न्यक्ति का, जो पन्न पर हस्ताक्षर करता है, वह पद भरें जो वह पन्न जारी करने वाले नियोजक के पास धारण करता है)।

उपायंभ

कारगों का विवरण

सेवा में.

- (1) प्रावेशिक श्रम मायुक्त (केन्द्रीय)----*
- (2) सहायक श्रम भागुक्त (केन्द्रीय) -----

(3) रोजगार कार्यालय,----

*(यहां प्रादेशिक श्रम प्रायुक्त (केन्द्रीय)/सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) तथा संबंधित स्थानीय क्षेत्र के रोजगार कार्यालय के कार्यालय पता लिखें।

> [सं० एक० एस०/65012/6/71~एल० भ्रार०~1] एस० एस० सहस्त्रनालम, भ्रवरसचिव।